दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 29.09.2022

प्रकाशनार्थ

29 सितम्बर, 2022 गोरखपुर। महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा **सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के उपलक्ष में ''21वीं सदी में भारत : वर्तमान सैन्य एवं राजनीतिक शक्ति तथा भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर** विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। **मुख्य अतिथि डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य,** रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, आचार्य नरेंद्र किसान पी.जी. कॉलेज, बभनान, गोंडा ने अपने उद्बोधन में भारत के गौरवशाली इतिहास का वर्णन करते हुए आजादी के बाद भारत के समक्ष उत्पन्न हुए परंपरागत और गैर–परंपरागत, सैन्य–असैन्य चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व दो गुटों में विभक्त हो गया था, उस समय भारत ने निर्गुटता की नीति को अपना कर दुनिया को एक अलग संदेश दिया। 21वीं सदी में भारत न केवल एक राजनैतिक शक्ति के रूप में उभरा है बल्कि तेजी से उभरते हुए सैनिक शक्ति के रूप में विकसित हो रहा है। इसमें भारत की मेधा और प्रतिभा का महत्वपूर्ण योगदान है। कोविड–19 में पूरी दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध करा कर भारत ने एक अलग नजीर प्रस्तुत की हैं। आज भारत अपनी स्वतंत्र राजनीतिक इच्छाशक्ति के बलबूते अमेरिका के **काट्सा कानून** को न मानते हुए अपनी सुरक्षा हेतु एस–400 का रूस से आयात कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री आज हर अन्तराष्ट्रीय मंच पर आकर्षण के केंद्र बिंदु बन रहे हैं। साथ ही आंतरिक मोर्चे पर भी भारत की गृह नीति सफल होती प्रतीत हो रही है। कश्मीर में आतंकवाद तथा नक्सलवाद पर नकेल कसने में कामयाबी मिली है। उन्होंने आगे कहा कि 21वी सदी का भारत, रक्षा आयात से निर्यात की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत तापस और स्विफ्ट नाम से किलर और स्वान ड्रोन का विकास कर रहा है, जो रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती सैन्य–शक्ति को प्रदर्शित करती है। अब 21वीं सदी में **ग्रे जोन** वार की स्थितियों से भी भारत निपटने हेतु तैयारी कर रहा है जिसमें युद्ध न लड़कर मानव विचारों को प्रभावित किया जाएगा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने सैमुअल पी. हंटिगन्टन को कोट करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में सभ्यता और संस्कृतियों के मध्य युद्ध का प्रभाव तेजी से बढा है। वही चीन अपनी आर्थिक शक्ति को हथियार बनाकर अमेरिका को चुनौती दे रहा है। भारत रक्षा क्षेत्र में न केवल तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा है बल्कि रक्षा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हो रहा है। फलतः भारत युद्ध के परंपरागत स्वरूप एवं भविष्य के युद्धों हेतु एक सैनिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। भारत की यह सैनिक शक्ति दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं नेतृत्व के कारण ही संभव हो सकी है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रभारी डॉ राम प्रसाद यादव तथा स्वागत विभागीय शिक्षक डॉ शुभ्रान्शु शेखर सिंह ने किया। उक्त अवसर पर विभागीय शिक्षक विकास कुमार पाठक तथा प्रोफेसर परीक्षित सिंह, श्री इंद्रेश कुमार, डॉ शैलेश कुमार सिंह और विभागीय छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी
जनसूचना सम्पर्क अधिकारी